1

5. समुद्री धाराएँ,

जल की ऊपरी सतह निचली सतह की अपेक्षा अधिक लवणयुक्त होती है। अतः जल की धाराएँ अपने साथ लवणयुक्त जल को बहाकर ले जाती हैं। अतः जिधर से धाराएँ पहुँचती हैं, उधर ही खारापन में वृद्धि करती हैं। पश्चिम से ध्रुव की ओर बहने वाली जलधाराएँ पूर्व में खारापन बढ़ाती हैं। गल्फ स्ट्रीम यूरोप के उत्तरी-पश्चिमी भाग में पहुँचकर वहाँ खारापन बढ़ाती है तथा लैब्राडोर की ठंडी धारा उत्तरी अमरीका के उत्तर-पूर्वी तटीय भाग में खारापन कम करती है।

— महासागरों में लवणता का वितरण (Distribution of Salinity in the Ocean):—

सामान्यतः समुद्रों में खारापन का औसत 35%. है। यह मात्रा प्रत्येक महासागर, सागर, झील आदि में

असमान रूप में पाई जाती है। महासागरों में खारापन क्षैतिज तथा लम्बवत् दोनों रूपों में पाया जाता है। इसी प्रकार खुले तथा बन्द सागरों में भी खारापन में अन्तर पाया जाता है। खारीपन वितरण के निम्न-लिखित आधार हैं —

1. अक्षांशों के आधार पर
2. खारापन के आधार पर
3. क्षैतिज तथा लम्बवत् वितरण के आधार पर
4. प्रमुख महासागरों के आधार पर

1. अक्षांशों के आधार पर

इस आधार पर खारीपन का वितरण निम्न आधार पर किया गया है।

(i) विषुवत्रेखीय कम खारा सागर
(ii) कर्क तथा मकरेखीय अधिक खारा सागर
(iii) शीतोष्ण कम खारा सागर
(iv) ध्रुवीय कम खारा सागर

3:

2. खारापन के आधार पर,
इस आधार पर इनका वितरण निम्न आधार पर किया गया है।

(i) अधिक खारा जल : ऐसे सागर जहाँ सामान्य से अधिक अर्थात् 37 % से 41% खारापन पाया जाता है, उसे अधिक खारा जल सागर कहते हैं। इनमें लाल सागर (37 से 41%), फारस की खाड़ी (37 से 38%) तथा भूमध्य सागर (37 से 39%) प्रमुख हैं।

(ii) मध्यम खारा जल : ऐसे सागर जहाँ खारापन 35 से 36% तक पाया जाता है, मध्यम खारा जल सागर कहलाते हैं। इनमें मैक्सिको सागर (35 से 36%), कैलिफोर्निया की खाड़ी (35 से 35.5%) आदि प्रमुख है।

(iii) कम खारा सागर : ऐसे सागर जिनमें खारीपन 20 से 35% तक पाया जाता है, कम खारे सागर कहलाते हैं। इनमें जापान सागर (30 से 35%), ओखोटस्क सागर (30 से 32%), बेरिंग सागर (28 से 33%), चीन सागर (25 से 30%), बाल्टिक सागर (3 से 13%) आदि प्रमुख हैं।